



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-जी.जे.-अ.-16012023-241998  
CG-GJ-E-16012023-241998

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]  
No. 25]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 13, 2023/पौष 23, 1944  
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 13, 2023/PAUSHA 23, 1944

## अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण

### अधिसूचना

गांधीनगर, 12 जनवरी, 2023

### अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र बीमा कार्यालय द्वारा निवेश) विनियम, 2022

**आईएफएससीए/2022-23/जीएन/आरजी030.**—अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण अधिनियम, 2019 की धारा 12 और 13 के साथ पठित धारा 28 और बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 27 के साथ पठित धारा 114क की उप-धारा (2) के खंड (i) और वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिनांक 04 जुलाई, 2022 की राजपत्र अधिसूचना संख्या एस.ओ. 3035 (ई) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण निम्नलिखित नियम बनाता है: -

#### 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ -

- (1) इन नियमों को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र बीमा कार्यालय द्वारा निवेश) विनियम, 2022 कहा जाएगा।
- (2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

#### 2. प्रयोज्यता:

- (1) आईएफएससी में समाविष्ट आईआईओ इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार आस्ति का निवेश करेगा;

- (2) आईएफएससी में असमाविष्ट आईआईओ या तो आस्ति के निवेश से संबंधित मानदंडों का पालन करने का विकल्प चुन सकता है, जैसा कि इसकी मूल एंटिटी पर लागू होता है या इन विनियमों के अधीन निर्दिष्ट किया गया है; और
- (3) भारतीय बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के साथ पंजीकृत विदेशी बीमाकर्ता या लॉयड्स इंडिया की शाखा के रूप में स्थापित आईआईओ, आस्ति के निवेश से संबंधित मानदंडों का पालन करने के लिए या तो इसकी मूल एंटिटी पर लागू मानदंडों या इन विनियमों के अधीन निर्दिष्ट नियमों का चयन कर सकता है।

**स्पष्टीकरण:** उप-विनियम (2) और (3) के अधीन निर्दिष्ट विकल्पों का प्रयोग निम्नलिखित द्वारा किया जाएगा-

- (क) आईआईओ द्वारा पहले से ही आईएफएससीए के साथ पंजीकृत - इन विनियमों की अधिसूचना के एक माह के भीतर;
- (ख) पंजीकरण की मांग करते समय आईआईओ के रूप में पंजीकरण चाहने वाले आवेदक द्वारा

### 3. उद्देश्य -

इन विनियमों का उद्देश्य आईआईओ द्वारा आस्ति के निवेश से संबंधित विनियामक ढांचे और प्रक्रियाओं को लागू करना है।

### 4. परिभाषाएँ -

(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो -

- (क) **'अधिनियम'** का अर्थ है अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण अधिनियम, 2019 (2019 का 50);
- (ख) **'लेखांकन मानक'** का अर्थ है-
- भारतीय बीमाकर्ताओं / पुनर्बीमाकर्ताओं के संबंध में, भारतीय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अधीन केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित लागू लेखा मानक या भारतीय लेखा मानक (इंड एस) और वित्तीय विवरणों की तैयारी से संबंधित नियम और प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित लेखापरीक्षा रिपोर्ट, यदि कोई हो;
  - विदेशी बीमाकर्ताओं/पुनर्बीमाकर्ताओं, और उपर्युक्त खंड (i) के अधीन निर्दिष्ट किसी भी जोखिम वाली एंटिटी के संबंध में, लागू घरेलू लेखा मानक;
- (ग) **'प्राधिकरण' या 'आईएफएससीए'** का अर्थ है अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन स्थापित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण;
- (घ) **'बोर्ड'** का अर्थ है आईआईओ के निदेशक मंडल या आईआईओ की मूल एंटिटी का बोर्ड, यदि आईआईओ आईएफएससी में समाहित नहीं है।
- (ङ) **'वित्तीय आस्ति'** में निम्न प्रकार की आस्तियां शामिल हैं-
- बॉन्ड, डिबेंचर (परिवर्तनीय बॉन्ड और डिबेंचर सहित) और अन्य निश्चित आय के साधन;
  - सूचीबद्ध इक्विटी या इसी तरह के निवेश जिसमें वारंट और अधिमान शेयर शामिल हैं;
  - प्रतिभूतिकृत ऋण सहित ऋण, जमा और अन्य अधिकार जो आस्ति समर्थित प्रतिभूतियों (एबीएस) के रूप में हैं;
  - आस्ति के अधिकारों सहित अचल आस्तियां जैसे बंधक, ग्रहणाधिकार या गिरवी;
  - जीवन बीमा की पॉलिसियों पर उनके समर्पण मूल्यों के भीतर ऋण;

- (vi) मुचुअल फंड की इकाइयां, भू-संपदा निवेश न्यास (आरईआईटी), मूलभूत अवसंरचना निवेश न्यास (आईएनवीआईटी) और वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) [केवल श्रेणी I और II] जैसा कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण आईएफएससीए (निधि प्रबंधन) विनियम, 2022 के अधीन परिभाषित किया गया है;
- (vii) हेजिंग के उद्देश्य से डेरिवेटिव;
- (viii) मुद्रा बाजार लिखतें (एमएमआई); या
- (ix) कोई अन्य लिखित या आस्ति जैसा कि प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर 'वित्तीय आस्ति' के रूप में निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (च) **'वित्तीय डेरिवेटिव'** का अर्थ है लिखत जिसका मूल्य अन्य आस्तियों, देयताओं या सूचकांकों जिन्हें "अंतर्निहित आस्ति" कहा जाता है, से प्राप्त किया जाता है और इसका कारोबार स्टॉक एक्सचेंज या समान मंच पर किया जाता है।
- (छ) इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए **'समूह'** का अर्थ है समूह जिसमें मूल कंपनी या कोई अन्य कानूनी व्यक्ति शामिल है जो बाकी समूह पर नियंत्रण रखता है, जिसमें इसकी शाखाएं और/या सहायक कंपनियां शामिल हैं जो एएमएल/सीएफटी नीतियों और प्रक्रियाओं के अधीन हैं।
- स्पष्टीकरण:* महत्वपूर्ण प्रभाव और/या नियंत्रण के अन्य मापदंडों के संयोजन में सामान्य ब्रांड नामों का उपयोग, चाहे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समूह में शामिल करने या अन्यथा के निर्धारण के लिए माना जाएगा।
- (ज) **'अवसंरचना आस्तियां'** का अर्थ है आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की समय-समय पर यथा-संशोधित दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 की गजट अधिसूचना संख्या सीजी-डीएल-ई-11102022-239561, के अनुसार 'मूलभूत अवसंरचना उप-क्षेत्रों की सुसंगत मास्टर सूची' में सूचीबद्ध उप-क्षेत्रों में निवेश और इसमें निम्नलिखित भी शामिल होंगे:
- क. जिले का तापन; और
- ख. आईएफएससी में बाजार अवसंरचना संस्थानों सहित वित्तीय संस्थान।

**व्याख्या:**

1. मूलभूत अवसंरचना आस्तियों में निजी उपयोग के लिए कतिपय अनुरक्षण सेवाएं और सुविधाएं शामिल नहीं होंगी।
  2. ऊपर बताए गए राजपत्र अधिसूचना में सूचीबद्ध उप-क्षेत्रों में निवेश भारत के साथ-साथ विदेशों में भी किया जा सकता है।
- (झ) **'अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र' या "आईएफएससी"** का वही अर्थ होगा जो अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (जी) के अधीन इसे दिया गया है;
- (ञ) **'अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र बीमा कार्यालय'** का वही अर्थ होगा जो इसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (बीमा व्यवसाय का पंजीकरण) विनियम, 2021 के विनियम 3 के उप-विनियम (1) के खंड (के) के अधीन दिया गया है;
- (ट) **'निवेश'** का अभिप्राय इन विनियमों के अनुसार वित्तीय आस्तियों या मूलभूत अवसंरचना की आस्तियों में तैनाती से है, लेकिन इसमें निम्नांकित शामिल नहीं होगा:
- (i) प्रशासनिक या न्यायिक आदेश के अनुसार आस्तियों का कोई बहिर्वाह,

(ii) पूरी तरह से निम्नांकित से उत्पन्न कोई दावे -

(क) माल या सेवाओं की बिक्री के लिए वाणिज्यिक

अनुबंध,

(ख) ऐसे वाणिज्यिक अनुबंधों के संबंध में ऋण का

विस्तार,

(iii) एंटीटी-लिंकड या अलग खाता बीमा देयताओं का समर्थन करने वाली आस्तियों में निवेश, जब इन बीमा देयताओं का मूल्यांकन आस्ति प्रतिकृति दृष्टिकोण का उपयोग करके किया जाएगा, या

(iv) केंद्र सरकार द्वारा जारी या गारंटीकृत ऋण उपकरणों के अलावा सरकारी बॉन्ड में निवेश (उदाहरण के लिए प्रांतों, नगर पालिकाओं और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं के लिए जोखिम)।

(ड) 'मूल एंटीटी' या 'प्रधान कार्यालय' का वही अर्थ होगा जो इसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (बीमा व्यवसाय का पंजीकरण) विनियम, 2021 के विनियम 3 के उप-विनियम (1) के खंड (थ) के अधीन निर्दिष्ट किया गया है;

(2) इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए, अभिव्यक्ति 'नियंत्रित', 'दायित्व', 'प्रवर्तक' और 'स्वामित्व' का वही अर्थ होगा जो उन्हें वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिनांक 04 जुलाई, 2022 की अधिसूचना संख्या एस.ओ.3035 (ई) द्वारा यथा-संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 27 के अधीन दिया गया;

(3) इन विनियमों में प्रयुक्त किंतु परिभाषित नहीं किए गए शब्दों और अभिव्यक्तियों, जो अधिनियम की पहली अनुसूची में वर्णित अधिनियम या नियमों, विनियमों या अधिसूचनाओं में परिभाषित किए गए हैं, के अर्थ क्रमशः वही होंगे जो इनके अधीन बनाए गए किसी नियमों, विनियमों या अधिसूचनाओं या किसी सांविधिक संशोधन या पुनः अधिनियमन, जैसा भी मामला हो, में उनके लिए नियत किए गए हैं।

## 5. आईआईओ द्वारा निवेश -

(1) आईआईओ के पास बोर्ड द्वारा अनुमोदित निवेश नीति होगी, जो अन्य बातों के साथ-साथ उल्लंघनों की स्थितियों, उल्लंघनों को दूर करने के लिए कार्य योजना, आर्थिक पूंजी प्रदान करने के प्रावधान, यदि आवश्यक हो, प्रदान करेगी।

(2) आईआईओ अपनी सभी आस्तियों और देयताओं का मूल्यांकन करेगा, और इस संबंध में प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए विनियमों के अनुसार शोधन क्षमता मार्जिन बनाए रखेगा।

(3) प्रत्येक आईआईओ, अपनी देयताओं को पूरा करने के लिए, मूल्य की आस्तियां, जो उसकी देयताओं से कम नहीं होगी, निर्धारित करेगा, निवेश करेगा और हर समय निर्धारित और निवेशित रखेगा;

बशर्ते कि भारतीय बीमाकर्ता या भारतीय पुनर्बीमाकर्ता के व्यवसाय के स्थान के रूप में स्थापित आईआईओ, आईएफएससी में अतिरिक्त सौंपी गई पूंजी, यदि कोई हो, सहित अपनी निर्धारित पूंजी का निवेश नहीं करेगा और उक्त निर्दिष्ट पूंजी का निवेश किया जाएगा और अपने देश में लागू नियामक आवश्यकताओं के अनुसार निवेश करना जारी रखा जाएगा।

(4) आईआईओ उप-विनियम (3) में निर्दिष्ट आस्ति का, मूल्य के अनुसार, किसी कंपनी या अन्य कारपोरेट निकाय, जो इन विनियमों में निर्दिष्ट शर्तों के अधीन प्रवर्तकों के स्वामित्व या नियंत्रण में है, में पाँच प्रतिशत से अधिक का निवेश नहीं कर सकता है।

(5) आईआईओ, किसी निवेश के संबंध में किसी भी बैंक के साथ व्यवहार करते समय यह सुनिश्चित करेगा कि बैंक:

- (i) 5 या इससे अधिक देशों में परिचालन करता है;
- (ii) सीएएमईएलएस (पूंजी पर्याप्तता, आस्ति गुणवत्ता, प्रबंधन, अर्जन, नकदी और संवेदनशीलता) ढांचा के अधीन स्वदेश के बैंकिंग नियामक से 1 या 2 दर-निर्धारण स्तर प्राप्त करता है; और
- (iii) की कुल आस्तियां 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर या अधिक राशि की हो।

(6) उप-विनियम (3) में निर्दिष्ट आस्ति के संपूर्ण या आंशिक भाग के निवेश को किसी भी भार, प्रभार, गिरवी या ग्रहणाधिकार से मुक्त रखा जाएगा और ऐसा इन विनियमों के अधीन यथा-निर्दिष्ट शर्तों के अधीन निर्धारित समय, विधि के अनुसार रखा जाएगा।

(7) आईआईओ अपनी आस्ति का निवेश कर सकता है -

- (क) आईएफएससी में;
- (ख) भारत में, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश पर वर्तमान नियामक ढांचे के माध्यम से, जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट किया गया है;
- (ग) उस देश में जहां इसकी मूल एंटीटी निगमित या अधिवासित है, अपने गृह देश नियामक या पर्यवेक्षी प्राधिकरण द्वारा निर्दिष्ट शर्तों के अनुपालन के अधीन; या
- (घ) किसी देश या क्षेत्राधिकार में जिसे वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के सार्वजनिक विवरण में कार्रवाई का आह्वान करने के लिए उच्च जोखिम वाले क्षेत्राधिकार के रूप में पहचाना नहीं गया है।

(8) जहां आईआईओ अपनी शाखा या व्यवसाय के स्थान को किसी अन्य देश या क्षेत्राधिकार से आईएफएससी में स्थानांतरित कर रहा है, वहां से प्राप्त प्रीमियम के संबंध में उक्त देश या अधिकार क्षेत्र की आस्ति के निवेश पर नियामक ढांचे का पालन करना जारी रखेगा।

बशर्ते कि यदि आईआईओ द्वारा पूर्ववर्ती अधिकार क्षेत्र में किया गया वर्तमान निवेश इन विनियमों के विनियम 9 के अनुरूप नहीं है, तो ऐसे निवेशों को रिंगफेंस किया जाएगा और आईआईओ के रूप में पंजीकरण की तिथि या ऐसी अवधि के लिए जो उसके गृह देश नियामक या पर्यवेक्षी प्राधिकरण द्वारा अनिवार्य की जा सकती है, जो भी बाद में हो, छः (6) माह तक की अवधि के लिए पूर्ववर्ती अधिकार क्षेत्र में निवेश किया जाना जारी रहेगा;

बशर्ते यह भी कि पूर्ववर्ती अधिकार क्षेत्रों में किए गए निवेशों का लेखा-जोखा रखा जाएगा और उन्हें अलग से प्रकट किया जाएगा:-

बशर्ते यह भी कि यदि किसी कारण से, आईआईओ इस उप-विनियम का अनुपालन करने में सक्षम नहीं है, तो वह प्राधिकरण को विस्तृत स्पष्टीकरण प्रस्तुत करेगा:-

बशर्ते यह भी कि आईआईओ द्वारा अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (बीमा व्यवसाय का पंजीकरण) विनियम, 2021 के अधीन परिकल्पित जोखिमों (प्रीमियम स्रोत) के संबंध में अन्य नियामक क्षेत्राधिकारों में किए गए निवेशों पर लाभ से प्रभावित हुए बिना उसे रिंग फेंस करके अलग से गणना की जाती है।

6. **'निवेश योग्य निधि' या 'निवेश आस्ति'** का अर्थ है निम्नलिखित निधियों में से किसी में निवेश:

- (1) जीवन बीमा व्यवसाय का संचालन कर रहे आईआईओ के मामले में -
- (क) शेयरधारकों की निधियां, जिस सीमा तक वे शोधन क्षमता मार्जिन का प्रतिनिधित्व करते हैं;

(ख) पॉलिसीधारकों की निधि के संबंध में:

- (i) पॉलिसीधारकों की भागीदारी और गैर-भागीदारी निधि,
  - (ii) उनके वहन मूल्य पर एक वर्ष के नवीकरणीय शुद्ध समूह अवधि आश्वासन व्यवसाय (ओवाईआरजीटीए) सहित परिवर्तनीय बीमा उत्पादों की निधि।
  - (iii) समय-समय पर इन विनियमों के अधीन जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उनके वहन मूल्य पर परिवर्तनीय बीमा उत्पादों की निधियों सहित पेंशन, वार्षिकी और समूह अधिवर्षिता व्यवसाय, और
  - (iv) पेंशन, वार्षिकी और समूह अधिवर्षिता व्यवसाय, जिसमें इन विनियमों के अधीन जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उनके वहन मूल्य पर परिवर्तनीय बीमा उत्पादों की निधियां शामिल हैं।
- (ग) इन विनियमों के अधीन जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उनके बाजार मूल्य पर परिवर्तनीय बीमा उत्पादों की निधि सहित यूनिट लिंक्ड बीमा व्यवसाय के संबंध में पॉलिसीधारकों के यूनिट रिजर्व।

2. सामान्य, स्वास्थ्य और / या पुनर्बीमा व्यवसाय का लेन-देन करने वाले आईआईओ के मामले में -

- (क) अपने मूल एंटीटी खाते में रखी गई धनराशि,
- (ख) शोधन क्षमता मार्जिन का प्रतिनिधित्व करने वाले शेयरधारकों की निधि, और
- (ग) लागू नियमों के अनुसार तैयार किए गए तुलनपत्र में दिखाए अनुसार उनके वहन मूल्य पर पॉलिसीधारकों की निधि।

## 7. निवेश की स्वीकार्य दर-निर्धारण श्रेणियां:-

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (बीमा व्यवसाय का पंजीकरण) विनियम, 2021 के विनियम 17 के उप-विनियम (1) से (4) सहित इन विनियमों के प्रयोजन के लिए, आईआईओ द्वारा निवेश केवल बीमा पूंजी मानकों के अधीन निवेश ग्रेड के रूप में निर्धारित दर आस्ति में किया जाएगा, जब तक कि प्राधिकरण द्वारा अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो और दर-निर्धारण श्रेणियां (आईसीएस-आरसी) अंतरराष्ट्रीय दर-निर्धारण अभिकरणों द्वारा मान्यता प्राप्त इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ इश्योरेंस सुपरवाइज़र्स (आईएआईएस) होंगी।

## 8. स्वीकार्य संप्रभू साख दर-निर्धारण:-

- (1) किसी देश की केंद्र सरकार के स्तर पर जारी किए गए सरकारी बांडों/ऋण लिखतों में निवेश केवल उन देशों के संबंध में स्वीकार्य होगा जिनके पास इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ इश्योरेंस सुपरवाइज़र्स (आईएआईएस) द्वारा मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय दर-निर्धारण अभिकरणों में से किसी एक से निवेश ग्रेड संप्रभू साख दर-निर्धारण (एससीआर) है, जब तक कि प्राधिकरण द्वारा अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो।

*स्पष्टीकरण:* केंद्र सरकार की अपेक्षा कम स्तर की संस्थाओं, जैसे राज्य सरकारों, क्षेत्रीय, प्रांतीय, सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं या नगर पालिकाओं द्वारा जारी प्रतिभूतियां, दर-निर्धारण आवश्यकता की संतुष्टि के बावजूद संप्रभू बांड/ऋण लिखतों के रूप में योग्य नहीं होंगी।

- (2) जहां कोई ऐसा देश जिसमें निवेश कम हो रहा है, उसे तत्पश्चात वित्तीय कार्रवाई कृतिक बल (एफएटीएफ) के सार्वजनिक विवरण में कान्वाई के आह्वान के साथ उच्च जोखिम वाले क्षेत्राधिकार के रूप में चिह्नित किया जाता है, आईआईओ ऐसे निवेशों को प्राधिकरण को विधिवत रिपोर्ट करने के तरीके के साथ यथा-निर्दिष्ट समय के भीतर अन्य पात्र देशों में स्थानांतरित करेगा।

## 9. निवेश आस्तियों का स्वीकार्य पैटर्न:-

आईआईओ द्वारा विभिन्न आस्तियों में निवेश निम्नलिखित मैट्रिक्स के अनुसार होगा:

**मैट्रिक्स 1: निवेश आस्ति एक्सपोजर पैटर्न मैट्रिक्स**

क्र. सं.	निवेश आस्ति का प्रकार	एक्सपोजर (प्रतिशत)	
		अधिकतम	बफर
1	सूचीबद्ध/सूचीबद्ध किए जाने वाले बॉण्ड, डिबेंचर और आस्ति समर्थित प्रतिभूतियां (एबीएस), बंधक समर्थित प्रतिभूतियां सहित समतुल्य निश्चित आय के साधन और टिप्पणी 3 के अधीन ऋण म्युचुअल फंड	80	20
2	ऋण (उपर्युक्त (1) को छोड़ कर), कारपोरेट और बैंक जमा और समान राइट्स।	30	10
3	अधिमान शेयरों सहित सूचीबद्ध/सूचीबद्ध की जाने वाली इक्विटी और इक्विटी प्रकार की लिखतें और इक्विटी म्युचुअल फंड	20	5
4	वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) - श्रेणी 1 और 2	5	5
5	लोन (जीवन बीमा में पॉलिसी लोन को छोड़ कर)	5	0
6	भू-संपदा निवेश न्यास )आरईआईटी (सहित अचल संपत्ति	5	0
7	अवसंरचना निवेश न्यास (इनविट) सहित अवसंरचना और अवसंरचना आस्तियों के वित्तपोषण के लिए साधन	5	0
8	नकदी और मुद्रा बाजार मुच्युल फंड (परिपक्व होने वाली पॉलिसियों पर परिनियोजन और भुगतान के लंबित होने के कारण नई निधियां) सहित लघु अवधि के लिए मुद्रा बाजार	100	0
9	नकदी और मुद्रा बाजार म्युचुअल फंड सहित लघु अवधि के लिए मुद्रा बाजार (नई निधियों के इतर अन्य निधियों के लिए).	15	0

टिप्पणी 1: उपर्युक्त प्रतिशत बीमाकर्ता की कुल निवेश संपत्तियों पर लागू होता है।

टिप्पणी 2: बॉण्ड, ऋण और जमा (म्युचुअल फंड के अलावा) में निवेश इन विनियमों के मैट्रिक्स 2 में दिए गए दर-निर्धारण मानदंडों के अधीन होगा।

टिप्पणी 3: डेट म्युचुअल फंड में एक्सपोजर 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। कुल ऋण निवेश और एमबीएस और एबीएस में एक साथ एक्सपोजर कुल ऋण निवेश का 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

टिप्पणी 4: इन विनियमों के मैट्रिक्स 3 और 4 में विभिन्न संप्रभु दर-निर्धारण के लिए अधिकतम निवेश एक्सपोजर दिया गया है।

टिप्पणी 5: इन नियमों के मैट्रिक्स 5 में लिखतों, एंटीटी, उद्योग और ग्रुप के लिए अधिकतम एक्सपोजर दिया गया है।

टिप्पणी 6: बशर्ते यूलिप निवेश एक्सपोजर मानदंडों के अधीन प्रस्तावित और स्वीकृत योजना के अनुसार पॉलिसीधारकों को पेश किए गए निवेश के पैटर्न का पालन करेगा।

टिप्पणी 7: 'निवेशित' का अर्थ होगा 'निवेश किया गया और निवेशित रखा गया'।

- 10. बीमा पूंजी मानकों के अनुसार रेट किए गए बॉण्ड और अन्य ऋण उपकरणों में एक्सपोजर:** बांड, ऋण और जमा राशि के लिए आईआईओ का एक्सपोजर, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंश्योरेंस सुपरवाइजर्स (आईएसएस) द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी अंतरराष्ट्रीय दर-निर्धारण अभिकरण द्वारा ऐसी लिखतों को दी गई रेटिंग्स के आधार पर, निम्नांकित मैट्रिक्स के अनुसार, सीमित होगा, जब तक कि प्राधिकरण द्वारा अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो।

**मैट्रिक्स 2: बीमा पूंजी मानकों द्वारा बांड, ऋण और जमा एक्सपोजर मैट्रिक्स**

निवेश आस्ति का प्रकार	बीमा पूंजी मानक - दर-निर्धारण श्रेणी - (आईसीएस-आरसी)		
	आईसीएस-आरसी	अधिकतम (प्रतिशत)	बफर(प्रतिशत)
1. बांड और अन्य निश्चित आय	आईसीएस-आरसी 1	100	0
2. ऋण, कारपोरेट और बैंक जमा और समान राइट्स	आईसीएस-आरसी 2 और 3	50	10
	आईसीएस-आरसी 4	20	0
	आईएफएससी सहित भारत	100	0

टिप्पणी: उपर्युक्त प्रतिशत आईआईओ की कुल निवेश आस्ति पर लागू होता है।

11. **संप्रभु साख दर-निर्धारण द्वारा बॉन्ड एक्सपोजर:** बॉन्ड, ऋण और जमा के लिए आईआईओ का एक्सपोजर निम्नलिखित मैट्रिक्स के अनुसार सीमित होगा, जो उन देशों को 'संप्रभु साख दर-निर्धारण' के अनुसार दी गई दर-निर्धारण के आधार पर होगा जहां से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित दर-निर्धारण एजेंसी द्वारा ऐसी लिखतें प्रस्तुत की जाएंगी: -

**मैट्रिक्स 3: संप्रभु साख दर-निर्धारण के आधार पर बॉन्ड, ऋण और जमा एक्सपोजर मैट्रिक्स**

निवेश आस्ति का प्रकार	संप्रभु साख दर-निर्धारण - दर-निर्धारण श्रेणी (एससीआर-आर सी)		
	एससीआर-एससी	अधिकतम (प्रतिशत)	बफर (प्रतिशत)
1. बॉन्ड और ऋण म्यूचुअल सहित अन्य निश्चित आय लिखित	एससीआर-आरसी 1	100	0
2. ऋण, उधार, कारपोरेट और बैंक जमा और समान राइट्स	एससीआर-आरसी 2 और 3	50	10
	एससीआर-आरसी 4, 5 और 6	20	0
	एससीआर-आरसी -7 और निम्न निवेश योग्य ग्रेड के भीतर	10	0
	आईएफएससी सहित भारत	100	0

12. **संप्रभु साख दर-निर्धारण द्वारा इक्विटी एक्सपोजर:** नीचे सूचीबद्ध इक्विटी और इसी तरह की लिखतों के लिए आईआईओ का एक्सपोजर निम्नलिखित मैट्रिक्स के अनुसार सीमित होगा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित दर-निर्धारण अभिकरणों द्वारा उन देशों को दी गई शीर्ष निवेश ग्रेड दर-निर्धारण के आधार पर जहां ऐसी लिखत हैं, प्रस्तावित और किए गए निवेश:-

**मैट्रिक्स 4: संप्रभु साख दर-निर्धारण द्वारा इक्विटी एक्सपोजर मैट्रिक्स**

निवेश आस्ति का प्रकार	संप्रभु साख दर-निर्धारण - दर-निर्धारण श्रेणी (एससीआर-आर सी)		
	एससीआर-आरसी	अधिकतम(प्रतिशत)	बफर (प्रतिशत)
1. इक्विटी म्यूचुअल फंड	एससीआर-आरसी 1	100	0



सहित सूचीबद्ध इक्विटी और इक्विटी प्रकार की लिखत	एससीआर-आरसी 2 और 3	50	10
	एससीआर-आरसी 4, 5 और 6	20	5
2. अधिमान शेयर	एससीआर-आरसी -7 और निम्न, निवेश योग्य ग्रेड के भीतर	10	0
	आईएफएससी सहित भारत	100	0

- 13. संप्रभु साख दर-निर्धारण द्वारा आस्ति और अवसंरचना एक्सपोजर:** अचल आस्ति और अवसंरचना आस्ति के लिए आईआईओ का एक्सपोजर निम्नलिखित मैट्रिक्स के अनुसार सीमित होगा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित दर-निर्धारण अभिकरणों द्वारा उन देशों को दी गई शीर्ष निवेश ग्रेड दर-निर्धारण के आधार पर जहां ऐसी लिखित हैं, का प्रस्ताव किया जाता जाता है और निवेश किया जाता है –

मैट्रिक्स 5: संप्रभु साख दर-निर्धारण द्वारा आस्ति और इंफ्रास्ट्रक्चर एक्सपोजर मैट्रिक्स			
निवेश आस्ति का प्रकार	संप्रभु साख दर-निर्धारण - दर-निर्धारण श्रेणी (एससीआर-आरसी)		
	एससीआर-आरसी	अधिकतम (प्रतिशत)	बफर (प्रतिशत)
1. 1. अचल आस्ति 2. 2. बुनियादी ढांचा	एससीआर-आरसी 1	100	0
	एससीआर-आरसी 2 और 3	50	10
	एससीआर-आरसी 4, 5 और 6	30	5
	एससीआर-आरसी 7 और निचला, निवेश योग्य ग्रेड के भीतर	10	0
	आईएफएससी सहित भारत	100	0

- 14. संस्थाओं, समूहों और उद्योग के लिए एक्सपोजर:** आईआईओ का एक्सपोजर निवेशिती की प्रकृति के आधार पर सीमित होगा - एकल एंटीटी या समूह या विशेष उद्योग। ये एक्सपोजर निम्नलिखित मैट्रिक्स के अनुरूप होंगे, जो ऐसी निवेशिती संस्थाओं के लिए भी एक्सपोजर की सीमा के अध्यक्षीन होंगे –

मैट्रिक्स 6: एंटीटी, समूह और उद्योग के लिए निवेश आस्ति एक्सपोजर मैट्रिक्स [इस मैट्रिक्स में उल्लिखित एक्सपोजर बीमाकर्ता की कुल निवेश आस्ति पर लागू होते हैं]		
निवेश आस्ति का प्रकार	बीमाकर्ता द्वारा समग्र एक्सपोजर	बीमाकर्ता द्वारा एक के रूप में अधिकतम निवेश कुल निवेश आस्ति का प्रतिशत
1. बांड और ऋण म्युचुअल फंड सहित अन्य निश्चित आय साधन	एकल एंटीटी(निवेशक) (टिप्पणी 1 और 2 के अध्यक्षीन)	10
2. ऋण, कॉर्पोरेट और बैंक जमा और समान अधिकार	आईआईओ के अपने समूह के भीतर	5
	किसी अन्य समूह को	15
3. इक्विटी म्युचुअल फंड सहित सूचीबद्ध	एक विशेष औद्योगिक क्षेत्र के लिए	15

इक्विटी और इक्विटी प्रकार के उपकरण  
4. अधिमान शेयर  
5. वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) श्रेणी  
1 और  
केवल 2  
6. आस्ति  
7. अवसंरचना

**टिप्पणी 1:** इक्विटी शेयरों, अधिमान शेयरों, परिवर्तनीय डिबेंचर और अन्य इक्विटी संबंधित लिखतों में सभी निवेशों का कुल योग निवेशिती की कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

**टिप्पणी 2:** बॉन्ड, डिबेंचर जिसमें वाणिज्यिक पत्र (सीपी), ऋण और अन्य ऋण लिखत शामिल हैं, में कोई भी निवेश निवेशिती के प्रदत्त शेयर पूंजी और मुक्त रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर) और डिबेंचर, बांड (सीपी सहित) के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

## 15. शासन:

- (1) आईआईओ के बोर्ड के पास अपने निवेश जोखिम का मूल्यांकन, निगरानी, माप, रिपोर्ट, नियंत्रण और सीमित करने के लिए अपना विवेकपूर्ण तंत्र होगा।
- (2) आईआईओ, दर-निर्धारण अभिकरणों द्वारा दी गई दर-निर्धारण के अलावा प्रस्तावित निवेशों पर स्वतंत्र उचित अध्यवसाय करेंगे।
- (3) आईआईओ प्राधिकरण द्वारा यथा-निर्दिष्ट अतिरिक्त पूंजी का निवेश करेगा यदि:
  - (क) निवेश का एक्सपोजर नियम 8 से 14 के अधीन निर्दिष्ट सीमा से अधिक है; या
  - (ख) जिस आस्ति में निवेश किया गया है, उसकी दर-निर्धारण को निवेश ग्रेड से नीचे कर दिया गया है।
- (4) आईआईओ बाजार जोखिम, ब्याज दर जोखिम, मुद्रा जोखिम, ऋण जोखिम, अन्य बाजार जोखिम, चलनिधि जोखिम, जलवायु परिवर्तन जोखिम आदि में अपने निवेश के जोखिम की लगातार निगरानी करेंगे और इसके प्रबंधन के लिए उचित विवेकपूर्ण उपाय करेंगे।

## 16. प्रबंधन और नियंत्रण

- (1) आईआईओ की संपूर्ण निवेश प्रक्रिया की देखरेख निवेश प्रबंधन समिति द्वारा की जाएगी, जिसमें आईआईओ के बोर्ड द्वारा विधिवत रूप में अधिकृत प्रासंगिक ज्ञान, अनुभव और बीमा या पुनर्बीमा व्यवसाय में निहित जोखिमों की समझ रखने वाले व्यक्तियों सहित वित्तीय और बीमांकक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति शामिल होंगे।
- (2) यदि आईआईओ अनिगमित रूप में स्थापित किया गया है, तो आईआईओ की ओर से निवेश आईआईओ की मूल एंटीटी द्वारा रिपोर्ट करने और समीक्षा करने के लिए पर्याप्त प्रोटोकॉल सहित विधिवत अधिकृत व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा।
- (3) आईआईओ में बाहरी लेखा-परीक्षा के साथ-साथ निवेश के लिए आंतरिक लेखा-परीक्षा सहित आंतरिक नियंत्रण प्रणाली होगी।
- (4) आईएफएससी के बाहर किए गए निवेश, प्राधिकरण द्वारा निदेश दिए जाने पर, निर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर आईएफएससी क्षेत्राधिकार में स्वतंत्र रूप से हस्तांतरणीय होंगे।
- (5) निवेश मुक्त रूप से परिवर्तनीय विदेशी मुद्राओं में किया जाएगा, सिवाय इसके कि जहां निवेश भारत में किया गया है और आईआईओ यह सुनिश्चित करेगा कि इसमें नकदी जोखिम कम से कम हो।

## 17. रिपोर्टिंग अपेक्षाएँ:

- (1) प्रत्येक आईआईओ प्राधिकरण को अपने निवेश से संबंधित जानकारी ऐसे तरीके, अंतराल और ऐसे रूपों में प्रस्तुत करेगा जो प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किए जाएंगे या जो जानकारी मांगी जाएगी;
- (2) आईआईओ द्वारा प्राधिकरण को प्रत्येक वित्तीय रिपोर्टिंग अमेरिकी डॉलर में होगी, जब तक कि प्राधिकरण द्वारा अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो।

18. **प्रक्रियाओं आदि को निर्दिष्ट करने की शक्ति:** आईआईओ द्वारा कार्यान्वयन, सुविधा और निवेश के विनियमन और प्रासंगिक मामलों के उद्देश्य के लिए, प्राधिकरण आईआईओ द्वारा अनुपालन के लिए मानदंड, प्रक्रिया, विधियां और तरीके निर्दिष्ट कर सकता है।
19. **कठिनाइयों को दूर करने और विनियमों के कठोर प्रवर्तन में ढील देने की शक्ति:**
- (1) इन विनियमों के उपबंधों को लागू करने या उनकी व्याख्या करने में किसी भी कठिनाई को दूर करने के लिए, प्राधिकरण मार्गदर्शन टिप्पणी या परिपत्रों के माध्यम से स्पष्टीकरण जारी कर सकता है।
  - (2) प्राधिकरण निर्दिष्ट अप्रतिदेय प्रसंस्करण शुल्क के साथ प्राप्त आवेदन पर, लिखित रूप में दर्ज किए जाने वाले कारणों से, इन विनियमों के किसी भी उपबंध के कठोर प्रवर्तन में ढील दे सकता है।

**20. निरसन और व्यावृत्तियां:**

- (1) इन विनियमों के प्रारंभ होने की तारीख को और उस तारीख से, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (निवेश) विनियम, 2016 और इसके अंतर्गत जारी किए गए और समय-समय पर यथा-संशोधित, प्रमुख परिपत्र/दिशानिदेश, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र में लागू नहीं रहेंगे।
- (2) उप-विनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, इन विनियमों के अधीन उप-विनियम (1) में उल्लिखित प्रमुख परिपत्र के अधीन इन विनियमों के प्रारंभ होने से पूर्व की गई या कथित रूप से की जाने वाली कोई भी कार्रवाई को इन विनियमों के संगत उपबंधों के अधीन की गई कार्रवाई माना जाएगा;
- (3) इन नियमों के प्रारंभ होने से पूर्व आईएफएससी में कार्यरत आईआईओ इन विनियमों के प्रारंभ होने की तारीख से छः माह की अवधि के भीतर या प्राधिकरण द्वारा यथा-अनुमेय बढ़ाए गए समय के भीतर इन नियमों में निर्धारित अतिरिक्त अपेक्षाओं का पालन करेगा।

इंजेती श्रीनिवास, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असा./554/2022-23]

**INTERNATIONAL FINANCIAL SERVICES CENTRES AUTHORITY  
NOTIFICATION**

Gandhinagar, the 12th January, 2023

**International Financial Services Centres Authority (Investment by International Financial Service  
Centre Insurance Office) Regulations, 2022**

**No. IFSCA/2022-23/GN/REG030.**—In exercise of the powers conferred by Section 28 read with Sections 12 and 13 of the International Financial Services Centres Authority Act, 2019, and clause (i) of sub-section (2) of Section 114A read with Section 27 of the Insurance Act, 1938, read with Gazette notification number S.O. 3035(E) dated 04<sup>th</sup> July, 2022 issued by the Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India, the International Financial Services Centres Authority hereby makes the following regulations namely:-

**1. Short title and commencement -**

- (1) These regulations may be called the International Financial Services Centres Authority (Investment by International Financial Service Centre Insurance Office) Regulations, 2022.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Applicability:**

- (1) An IIO incorporated in an IFSC shall undertake investment of assets in accordance with the provisions of these regulations;
- (2) An IIO not incorporated in an IFSC may either chose to follow norms related to investment of assets as applicable to its parent entity or as specified under these regulations;

- (3) An IIO established as a branch of Foreign insurer or Lloyd's India, registered with the Insurance Regulatory Development Authority of India (IRDAI), may either chose to follow norms related to investment of assets as applicable to its parent entity or as specified under these regulations.

*Explanation:* The choices referred to under sub-regulation (2) and (3) shall be exercised by-

- (a) by an IIO already registered with IFSCA-within one month of notification of these regulations;
- (b) by an Applicant seeking registration as an IIO, at the time of seeking registration.

### 3. **Objective –**

These regulations aim to put in place the regulatory framework and processes related to investment of assets by an IIO.

### 4. **Definitions -**

- (1) In these regulations, unless the context otherwise requires -

- (a) ‘**Act**’ means the International Financial Services Centres Authority Act, 2019 (50 of 2019);
- (b) ‘**accounting standard**’ means—
  - (i) In respect of Indian Insurers/ Re-insurers, the applicable Accounting Standard or Indian Accounting Standard (Ind AS) notified by the Central Government under Section 133 of the Indian Companies Act, 2013, and regulations pertaining to Preparation of Financial Statements and Audit Report, as notified by the Authority, if any;
  - (ii) In respect of Foreign Insurers / Re-insurers, and any risk bearing entity other than those specified under sub-clause (i) above, the applicable home country accounting standards;
- (c) ‘**Authority**’ or ‘**IFSCA**’ means the International Financial Services Centres Authority established under sub-section (1) of Section 4 of the Act;
- (d) ‘**board**’ means the board of directors of an IIO, or in case of an unincorporated IIO, the Board of the Parent Entity.
- (e) ‘**financial assets**’ includes the following types of assets-
  - (i) bonds, debentures (including convertible bonds and debentures) and other fixed income instruments;
  - (ii) listed equities or similar investments including warrants and preference shares;
  - (iii) debts, deposits and other rights including securitised debts which are in the form of asset backed securities (ABS);
  - (iv) immovable properties including property rights such as mortgages, liens or pledges;
  - (v) loans on policies of Life Insurance within their surrender values;
  - (vi) units of Mutual Funds, Real Estate Investment Trusts (REITs), Infrastructure Investment Trusts (InvITs) and Alternative Investment Funds (AIF) [Category I and II only];
  - (vii) derivatives for the purpose of hedging;
  - (viii) money market instruments (MMI); or
  - (ix) any other instrument or asset as may be specified by the Authority from time to time.
- (f) ‘**financial derivative**’ means an instrument whose value is derived from other assets, liabilities or indices, called the "underlying asset", and is traded on a stock exchange or similar platform.
- (g) ‘**group**’ for the purposes of these regulations, means a group that consists of a parent company or any other legal person exercising control over rest of the group, including its branches and/or subsidiaries that are subject to AML/CFT policies and procedures.

*Explanation:* Use of common brand names in conjunction with other parameters of significant influence and / or control, whether direct or indirect, shall be reckoned for determination of its inclusion in the group or otherwise.

- (h) ‘**infrastructure assets**’ means any investment made in the infrastructure sub-sectors identified in the ‘Harmonised Master List of Infrastructure sub-sectors’ as per Gazette Notification no. CG-DL-E-11102022-239561 dated October 11, 2022 of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Government of India, as revised from time to time, and shall also include the following:

- a. district heating; and
- b. financial institutions including the market infrastructure institutions set up in IFSCs.

*Explanation:*

- (1) The Infrastructure Assets shall not include any maintenance services and facilities for private use.
- (2) The investments in infrastructure sub-sectors, identified in the Notification referred above, can be made in India as well as Overseas.
- (i) ‘**International Financial Services Centre**’ or ‘**IFSC**’ shall have the same meaning as assigned to it under clause (g) of sub-section (1) of section 3 of the Act;
- (j) ‘**International Financial Service Centre Insurance Office**’ or ‘**IIO**’ shall have the same meaning as assigned to it under clause (k) of sub-regulation (1) of regulation 3 of the International Financial Services Centres Authority (Registration of Insurance Business) Regulations, 2021;
- (k) ‘**investment**’ refers to deployment of funds in financial assets or infrastructure assets in accordance with these regulations, but shall not include:
  - (i) Any release or relinquishment of assets pursuant to an administrative or judicial order,
  - (ii) Any claim arising solely from –
    - (a) Commercial contracts for sale of goods or services;
    - (b) The extension of credit in connection with such commercial contracts,
  - (iii) Investment in an asset, backing a unit-linked or separate account insurance liabilities, when these insurance liabilities are valued using the Asset Replication Approach, or
  - (iv) Investment in Government bonds other than debt instruments issued or guaranteed by Central Governments (e.g. exposures to provinces, municipalities and public sector entities shall be excluded from investment).
- (l) ‘**Parent Entity**’ or ‘**Head Office**’ shall have the same meaning as assigned to it under clause (q) of sub-regulation (1) of regulation 3 of the International Financial Services Centres Authority (Registration of Insurance Business) Regulations, 2021;
- (2) For the purposes of these regulations, the expressions ‘**Controlled**’, ‘**Liabilities**’, ‘**Promoter**’ and ‘**Owned**’ shall have the same meaning as assigned to them under Section 27 of the Insurance Act, 1938, as modified vide Gazette Notification number S.O. 3035(E) dated 04<sup>th</sup> July, 2022 issued by the Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India ;
- (3) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act or Acts mentioned in the First Schedule to the Act or any rules, regulations or notifications made thereunder, shall have the same meanings respectively assigned to them in those Acts, rules or regulations or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.

5. **Investments by IIO –**

- (1) The IIO shall have a Board approved Investment Policy, which shall, *inter-alia* provide for situations of breaches, action plans to address breaches, provisions for providing Economic Capital, if required.
- (2) IIOs shall value all of its assets and liabilities, and maintain solvency margin in accordance with the regulations notified by the Authority in this regard.
- (3) Every IIO, in order to meet its liabilities, shall earmark, invest and at all times keep earmarked and invested, assets of value not less than that of its liabilities and shall also take into account factors such as nature, term or duration, currency and uncertainties of such investments;

*Provided that* an IIO established as place of business of Indian Insurer or Indian Re-insurer, shall not invest its assigned capital including additional assigned capital, if any, in the IFSC, and as such the said assigned capital shall be invested and continued to be invested in accordance with the regulatory requirements applicable on its Parent Entity.

- (4) An IIO may invest not more than five *per cent.* of the assets referred to in sub-regulation (3) by value, in a company or other body corporate which is owned or controlled by the promoters, subject to the conditions specified in these regulations.
- (5) An IIO, while dealing with any bank in relation to an investment, shall ensure that the bank:

- (i) has operations in 5 or more countries;
  - (ii) enjoys rating levels 1 or 2 from the banking regulator of the home country under the CAMELS (capital adequacy, asset quality, management, earnings, liquidity, and sensitivity) Framework; and
  - (iii) has total assets of US\$ 100 billion or more.
- (6) Investment of the whole or any part of the assets referred to in sub-regulation (3) shall be held free from all encumbrances, charges, hypothecations or liens, and shall be kept till such time, manner and subject to such other conditions as may be specified.
- (7) An IIO may invest its Assets –
- (a) in the IFSC;
  - (b) in India, through extant regulatory framework on Foreign Portfolio Investment, as specified by the Reserve Bank of India and the Securities and Exchange Board India;
  - (c) in the country where its Parent Entity is incorporated or domiciled, subject to compliance with the conditions as specified by its home country regulatory or supervisory authority; or
  - (d) in a country or jurisdiction which is not identified in the public statement of Financial Action Task Force (FATF) as a high-risk jurisdiction subject to call for action.
- (8) Where an IIO is relocating its branch or place of business from any other country or jurisdiction to the IFSC, it shall continue to follow the regulatory framework on Investments of Assets of said country or jurisdiction in respect of the premium sourced therefrom.

*Provided that* if the existing investment made by IIO in the erstwhile jurisdiction is not in conformity with regulation 9 of these regulations, such investments would be ring-fenced and continue to be invested in the erstwhile jurisdiction, for a period up to six (6) months from the date of registration as IIO or for such period as may be mandated by its home country regulatory or supervisory authority, whichever is later;

*Provided further that* the investments made in erstwhile jurisdictions shall be accounted for and disclosed separately;

*Provided also that* if for any reason, the IIO is not able to comply with this sub-regulation, it shall submit detailed explanations to the Authority;

*Provided also that* investments in respect of risks assumed (premiums sourced) by the IIO under International Financial Services Centres Authority (Registration of Insurance Business) Regulations, 2021 are ring-fenced and accounted for separately, without being affected by the returns on the investments made in other regulatory jurisdictions.

6. **‘Investible Funds’ or ‘Investment Assets’** means investments made out of the following funds:

- (1) in case of IIO, transacting Life Insurance Business –
  - (a) Shareholders’ Funds, to the extent they represent Solvency Margin;
  - (b) Policyholders’ Funds in respect of:
    - (i) Participating and Non-Participating Funds of Policyholders,
    - (ii) Funds of Variable Insurance Products including One Year Renewable Pure Group Term Assurance Business (OYRGTA) at their carrying value,
    - (iii) Non-Unit Reserves of Unit Linked Insurance business, and
    - (iv) Pension, Annuity and Group Superannuation business including funds of Variable Insurance products at their carrying value as per guidelines issued under these regulations;
  - (c) Policyholders’ Unit Reserves in respect of Unit Linked Insurance business, including funds of Variable Insurance Products at their market value as per guidelines issued under these regulations.
- (2) In case of IIO transacting General, Health and / or Re-insurance business -
  - (a) funds maintained in the account of its Parent Entity,
  - (b) shareholders’ funds, representing Solvency Margin, and
  - (c) policyholders’ funds at their carrying value as shown in its balance sheet prepared in accordance with the applicable regulations.

**7. Admissible Rating Categories of Investments:-**

For the purpose of these regulations, including that of sub-regulation (1) to (4) of Reg. 17 of the International Financial Services Centres Authority (Registration of Insurance Business) Regulations, 2021, investments by an IIO shall be made only in Assets rated as 'Investment Grade' under Insurance Capital Standards – Rating Categories (ICS-RC) by international rating agencies recognized by the International Association of Insurance Supervisors (IAIS), unless otherwise specified by the Authority.

**8. Admissible Sovereign Credit Rating: -**

- (1) Investments in Government bonds / debt instruments issued at the Central Government level of a country shall be admissible only in respect of the countries having Investment Grade Sovereign Credit Ratings (SCR) from one of the international rating agencies recognized by the International Association of Insurance Supervisors (IAIS), unless otherwise specified by the Authority.

*Explanation:* Securities issued by entities other than Central Governments, such as State Governments, regional, provincial, public sector entities or municipalities will not qualify as Sovereign bonds/ debt instruments, irrespective of satisfaction of rating requirement.

- (2) Where any country in which investments are subsisting is subsequently identified in the public statement of Financial Action Task Force (FATF) as high-risk jurisdictions subject to call for action, IIO shall relocate such investments to other eligible countries within such time, as may be specified, with due reporting to the Authority.

**9. Admissible Pattern of Investment Assets:-**

The investments by an IIO in various assets shall be in accordance with the following matrix:

<b>Matrix 1: Investment Asset Exposure Pattern Matrix</b>			
<b>Sr. No.</b>	<b>Type of Investment Asset</b>	<b>Exposure (per cent.)</b>	
		<b>Maximum</b>	<b>Buffer</b>
1	Listed/ to be listed Bonds, Debentures and equivalent fixed income instruments including Asset Backed Securities (ABS), Mortgage Backed Securities (MBS); and Debt Mutual Funds subject to Note 3.	80	20
2	Debts (other than specified in (1) above) , Corporate and Bank Deposits and similar rights	30	10
3	Listed/ to be listed Equities and equity type instruments including Preference Shares; and Equity Mutual Funds	20	5
4	Alternative Investment Funds (AIF) - Category 1 and 2	5	5
5	Loans (other than policy loans in Life Insurance)	5	0
6	Immovable Property including Real Estate Investment Trusts (REITs)	5	0
7	Infrastructure including Infrastructure Investment Trusts (InvIT) and instruments for financing Infrastructure Assets	5	0
8	Money markets for short period, including in Liquid and Money Market Mutual Funds (for new funds pending deployment and payments on maturing policies)	100	0
9	Money markets for short period including in Liquid and Money Market Mutual Funds (for other than new funds)	15	0
<p>Note 1: The above percentage is applicable to the Total Investment Assets of the IIO.</p> <p>Note 2: Investment in Bond, Debt and Deposit (other than Mutual Funds) will be subject to the rating criteria given in Matrix 2 of these regulations.</p> <p>Note 3: Exposure in Debt Mutual Funds shall not be more than 10 per cent. of total Debt Investments and Exposure in MBS and ABS together shall not be more than 5 per cent. of the total Debt Investments.</p> <p>Note 4: Maximum Investment Exposure to different sovereign ratings are given in Matrix 3 and 4 of these regulations.</p> <p>Note 5: Maximum Exposure to Instrument, Entity, Industry and Group are given in Matrix 5 of these regulations.</p> <p>Note 6: Provided ULIP Investments would follow the pattern of investments offered to policyholders as per the plan offered and accepted, subject to exposure norms.</p> <p>Note 7: 'Invested' would mean 'Invested and kept invested'</p>			

10. **Exposure in Bonds and other debt instruments rated in accordance with Insurance Capital Standards:** The exposures of an IIO to Bonds, Debts and Deposits shall be limited as per the following matrix, based on the ratings accorded to such instruments by any international rating agency recognized by the International Association of Insurance Supervisors (IAIS), unless otherwise specified by the Authority

<b>Matrix 2: Bond, Debt and Deposit Exposure Matrix by Insurance Capital Standards</b>			
Type of Investment Asset	Insurance Capital Standards - Rating Category - (ICS-RC)		
	ICS-RC	Maximum ( <i>per cent.</i> )	Buffer ( <i>per cent.</i> )
1. Bonds and other fixed income instruments;	ICS-RC 1	100	0
	ICS-RC 2 & 3	50	10
2. Debts, Corporate and Bank Deposits and similar rights.	ICS-RC 4	20	0
	India including IFSC	100	0

Note: The above percentage is applicable to the Total Investment Assets of the IIO.

11. **Bond Exposures by Sovereign Credit Ratings:** The exposures of an IIO to Bonds, Debts and Deposits shall be limited as per the following matrix, based on the ratings given in accordance with the 'Sovereign Credit Rating' to the countries from where such instruments are offered, by an internationally reputed rating agency:-

<b>Matrix 3: Bond, Debt and Deposit Exposure Matrix based on Sovereign Credit Rating</b>			
Type of Investment Asset	Sovereign Credit Rating - Rating Category (SCR-RC)		
	SCR-RC	Maximum ( <i>per cent.</i> )	Buffer ( <i>per cent.</i> )
1. Bonds and other fixed income instruments including Debt Mutual Funds	SCR-RC 1	100	0
	SCR-RC 2 and 3	50	10
	SCR-RC 4, 5 and 6	20	0
	SCR-RC – 7 and lower within Investible Grade	10	0
2. Debts, Loans, Corporate and Bank Deposits and similar rights	India including IFSC	100	0

12. **Equity Exposures by Sovereign Credit Ratings:** The exposures of an IIO to Equities and similar instruments listed below shall be limited as per the following matrix, based on the top Investment Grade ratings given by internationally reputed rating agencies to the countries where such instruments are offered and investments made:-

<b>Matrix 4: Equity Exposure Matrix by Sovereign Credit Rating</b>			
Type of Investment Asset	Sovereign Credit Rating - Rating Category (SCR-RC)		
	SCR-RC	Maximum ( <i>per cent.</i> )	Buffer ( <i>per cent.</i> )
1. Listed Equities and equity type instruments-including Equity Mutual Funds	SCR-RC 1	100	0
	SCR-RC 2 & 3	50	10
2. Preference Shares	SCR-RC 4, 5 & 6	20	5
3. Alternative Investment Funds (AIF) Category 1 and 2 only	SCR-RC – 7 and lower, within Investible Grade	10	0
4. Derivatives	India including IFSC	100	0

13. **Property and Infrastructure Exposures by Sovereign Credit Ratings:** The exposures of an IIO to Immovable Property and Infrastructure Assets shall be limited as per the following matrix, based on the top



Investment Grade ratings given by internationally reputed rating agencies to the countries where such instruments are offered and investments made -

<b>Matrix 5: Property and Infrastructure Exposure Matrix by Sovereign Credit Rating</b>			
Type of Investment Asset	Sovereign Credit Rating - Rating Category (SCR-RC)		
	SCR-RC	Maximum ( <i>per cent.</i> )	Buffer ( <i>per cent.</i> )
1. Immovable Property 2. Infrastructure Assets	SCR-RC 1	100	0
	SCR-RC 2 & 3	50	10
	SCR-RC 4, 5 & 6	30	5
	SCR-RC 7 and lower, within Investible Grade	10	0
	India including IFSC	100	0

14. **Exposures to Entities, Groups and Industry:** The exposures of an IIO shall be limited on the basis of the nature of investee— single entity or a group or a particular industry. These exposures shall conform to the following matrix, subject to caps on the exposures to such Investee Entities also -

<b>Matrix 6: Investment Asset Exposure Matrix to Entity, Group and Industry</b> <i>[Exposures mentioned in this matrix apply to the total Investment Assets of the insurer]</i>		
Type of Investment Asset	Overall Exposure by an Insurer	Maximum Investment by an Insurer as a percentage of the total Investment Assets
1. Bonds and other fixed income instruments including Debt Mutual Funds; 2. Debts, Corporate and Bank Deposits and similar rights; 3. Listed Equities and equity type instruments including Equity Mutual Funds; 4. Preference Shares; 5. Alternative Investment Funds (AIF) Category 1 & 2 only; 6. Property 7. Infrastructure Assets	A Single Entity (Investee). (Subject to Notes 1 & 2)	10
	Within the IIO's Own Group	5
	To any other Group	15
	To a particular Industrial Sector	15
	<p><b>Note 1:</b> The sum total of all investments in equity shares, preference shares, convertible debentures and other equity related instruments shall not be more than 10 <i>per cent.</i> of the total paid-up equity share capital of the <u>Investee</u>.</p> <p><b>Note 2:</b> Any investment in bonds, debentures including commercial papers (C.P.), loans and other debt instruments shall not be more than 10 <i>per cent.</i> of the paid up share capital and free reserves (excluding revaluation reserve) and debentures, bonds (incl. C.P) of the <u>Investee</u>.</p>	

15. **Governance:**

- (1) The Board of an IIO shall have its own prudential mechanisms to evaluate, monitor, measure, report, control and limit their investment exposure.
- (2) An IIO shall conduct independent due diligence on proposed investments in addition to the rating given by Rating Agencies.
- (3) An IIO shall infuse such additional capital, as may be specified by the Authority in case:
  - (a) Exposure of investment exceeds the limit specified under regulation 9 to 14; or
  - (b) Rating downgrade of the Asset in which investment has been made, to below investment grade.
- (4) An IIO shall continuously monitor the exposures of its investments to Market Risk, Interest Rate Risk, Currency Risk, Credit Risk, Other Market Risk, Liquidity Risk, Climate Change Risk etc. and take appropriate prudential measures to manage the same.

16. **Management and Control**

- (1) The entire investment process of an IIO shall be overseen by an Investment Management Committee comprising of persons with financial and actuarial background duly authorised by the Board of the IIO including persons with relevant knowledge, experience and understanding of the inherent risks in the insurance or reinsurance business.

- (2) In case of an IIO established in an unincorporated form, the investments on behalf of such IIO shall be made by the persons duly authorised by the Parent Entity of the IIO, with adequate protocols for reporting and review.
- (3) An IIO shall have Internal Controls systems, including Internal Audits for Investment, in addition to external audits.
- (4) The investments made outside the IFSC shall be freely transferable to the IFSC jurisdiction within specified timelines as and when directed by the Authority.
- (5) The investments shall be made in freely convertible foreign currencies except where the investments are made in India and the IIO shall ensure that Liquidity risk is minimized.

17. **Reporting requirements:**

- (1) Every IIO shall furnish information relating to its investments to the Authority in such manner, interval and in such forms as may be specified or sought by the Authority from time to time;
- (2) Every financial reporting by an IIO to the Authority shall be in USD, unless otherwise specified by the Authority.

18. **Power to specify procedures etc.:** For the purpose of implementation, facilitation and regulation of investment by IIOs and matters incidental thereto, the Authority may specify norms, procedures, processes and manners for compliance by IIOs.

19. **Power to remove difficulties and relax strict enforcement of the regulations:**

- (1) In order to remove any difficulty in the application or interpretations of the provisions of these regulations, the Authority may issue clarifications through guidance notes or circulars.
- (2) On an application, received along with the specified non-refundable processing fees, the Authority, may for the reasons to be recorded in writing, relax the strict enforcement of any of the provisions of these regulations.

20. **Repeals and saving:**

- (1) On and from the commencement of these regulations, the Insurance Regulatory and Development Authority of India (Investment) Regulations, 2016 and Master Circular/Guideline issued thereunder, as amended from time to time, shall cease to apply in an International Financial Services Centre.
- (2) Notwithstanding anything in sub-regulation (1), any action taken or purported to have been taken under the regulations and master circular mentioned in sub-regulation (1) before the commencement of these regulations shall be deemed to have been taken under the corresponding provisions of these Regulations;

An IIO operating in the IFSC prior to the commencement of these regulations, shall comply with additional requirements as stipulated in these regulations, within a period of six months from the date of commencement of these regulations or within such extended time as may be permitted by the Authority.

INJETI SRINIVAS, Chairperson

[ADVT.III/4/Exty./554/2022-23]